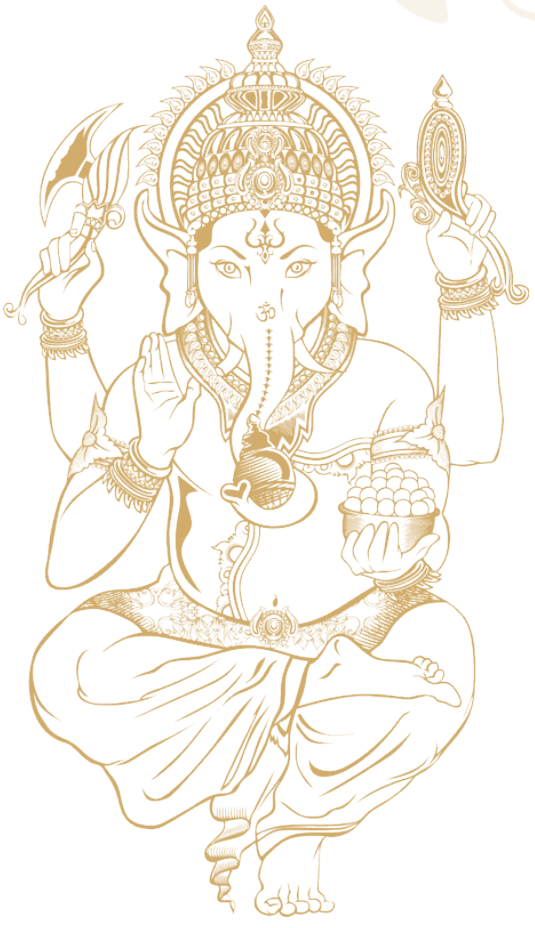

Dhirendra Devashrayee

17 Aug 1986

07:35 AM

Indore

Model: web-freekundliweb

Order No: 120860203

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**17/08/1986**
दिन	रविवार
जन्म समय	**07:35:00 घंटे**
इष्ट	03:48:05 घटी
स्थान	**Indore**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	22:42:00 उत्तर
रेखांश	75:54:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:08:36 घंटे
वेलान्तर	-00:04:08 घंटे
साम्पातिक काल	04:49:16 घंटे
सूर्योदय	06:03:46 घंटे
सूर्यास्त	18:56:52 घंटे
दिनमान	12:53:06 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	00:13:24 सिंह
लग्न के अंश	20:03:20 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	प्रीति
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ढा-ढालचंद
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	20:03:20	330:37:57	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	राहु	---
सूर्य			सिंह	00:13:24	00:57:40	मघा	1	10	सूर्य	केतु	केतु	मूलत्रिकोण
चंद्र			धनु	23:46:45	14:36:20	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	शनि	सम राशि
मंगल			धनु	17:54:27	00:04:00	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	मंगल	मित्र राशि
बुध			कर्क	12:41:15	01:27:31	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	मंगल	शत्रु राशि
गुरु	व		कुंभ	27:14:35	00:06:14	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
शुक्र			कन्या	15:57:14	01:01:20	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	शनि	नीच राशि
शनि			वृश्चि	09:28:27	00:00:58	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	29:01:58	00:07:34	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	सम राशि
केतु	व		कन्या	29:01:58	00:07:34	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृश्चि	24:44:17	00:00:32	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
नेप	व		धनु	09:35:14	00:00:52	मूल	3	19	गुरु	केतु	शनि	---
प्लूटो			तुला	11:10:21	00:01:06	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
दशम भाव			वृष	20:01:30	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:40:07

लग्न-चलित

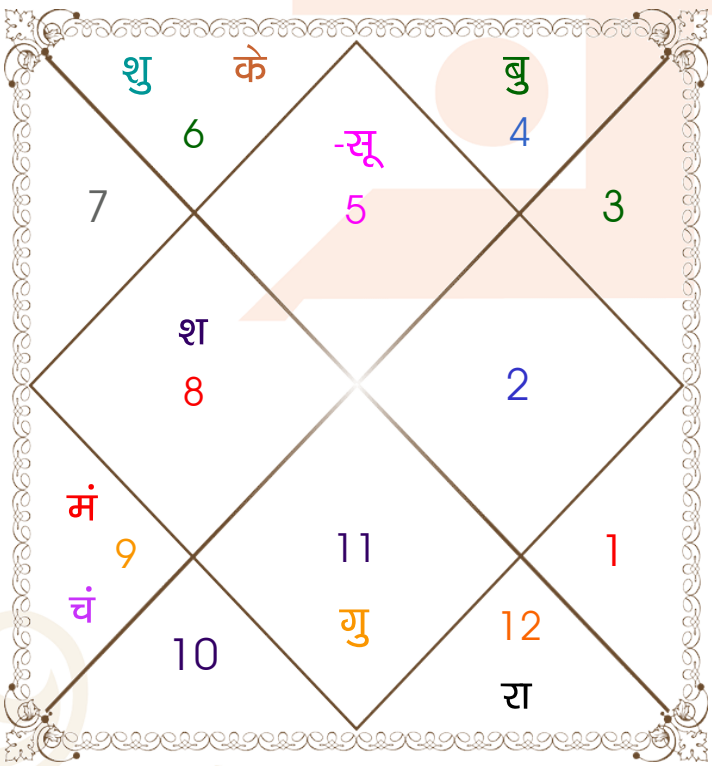

चन्द्र कुंडली

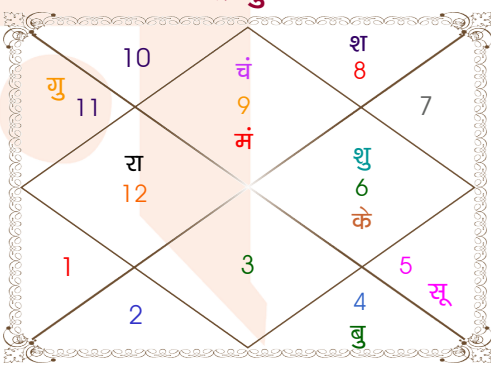

नवमांश कुंडली

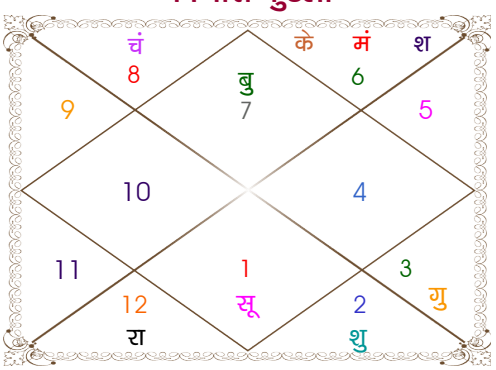

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 4 वर्ष 3 मास 29 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
17/08/1986		16/12/1990		15/12/1996		16/12/2006		16/12/2013	
16/12/1990		15/12/1996		16/12/2006		16/12/2013		16/12/2031	
	00/00/0000	सूर्य	04/04/1991	चंद्र	16/10/1997	मंगल	14/05/2007	राहु	28/08/2016
	00/00/0000	चंद्र	04/10/1991	मंगल	17/05/1998	राहु	31/05/2008	गुरु	21/01/2019
	00/00/0000	मंगल	09/02/1992	राहु	16/11/1999	गुरु	07/05/2009	शनि	27/11/2021
	00/00/0000	राहु	03/01/1993	गुरु	17/03/2001	शनि	16/06/2010	बुध	16/06/2024
	00/00/0000	गुरु	22/10/1993	शनि	16/10/2002	बुध	13/06/2011	केतु	04/07/2025
	17/08/1986	शनि	04/10/1994	बुध	16/03/2004	केतु	10/11/2011	शुक्र	04/07/2028
शनि	16/12/1986	बुध	10/08/1995	केतु	15/10/2004	शुक्र	09/01/2013	सूर्य	29/05/2029
बुध	16/10/1989	केतु	16/12/1995	शुक्र	16/06/2006	सूर्य	17/05/2013	चंद्र	28/11/2030
केतु	16/12/1990	शुक्र	15/12/1996	सूर्य	16/12/2006	चंद्र	16/12/2013	मंगल	16/12/2031

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
16/12/2031		16/12/2047		16/12/2066		16/12/2083		16/12/2090	
16/12/2047		16/12/2066		16/12/2083		16/12/2090		00/00/0000	
गुरु	02/02/2034	शनि	19/12/2050	बुध	13/05/2069	केतु	13/05/2084	शुक्र	16/04/2094
शनि	16/08/2036	बुध	28/08/2053	केतु	11/05/2070	शुक्र	13/07/2085	सूर्य	17/04/2095
बुध	21/11/2038	केतु	07/10/2054	शुक्र	11/03/2073	सूर्य	18/11/2085	चंद्र	15/12/2096
केतु	28/10/2039	शुक्र	06/12/2057	सूर्य	15/01/2074	चंद्र	19/06/2086	मंगल	14/02/2098
शुक्र	28/06/2042	सूर्य	18/11/2058	चंद्र	16/06/2075	मंगल	15/11/2086	राहु	15/02/2101
सूर्य	17/04/2043	चंद्र	19/06/2060	मंगल	13/06/2076	राहु	04/12/2087	गुरु	17/10/2103
चंद्र	16/08/2044	मंगल	29/07/2061	राहु	31/12/2078	गुरु	09/11/2088	शनि	18/08/2106
मंगल	22/07/2045	राहु	04/06/2064	गुरु	07/04/2081	शनि	19/12/2089		00/00/0000
राहु	16/12/2047	गुरु	16/12/2066	शनि	16/12/2083	बुध	16/12/2090		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 4 वर्ष 3 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल तुला का नवमांश एवं मेष का द्रेष्काण भी उदित था। सिंह राशीय संबंधित संयोजन से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप पूर्ण शक्ति संपन्न पद पर आसीन होकर, सुव्यवस्थित ढंग से अत्यधिक धन का उपार्जन करेंगे।

आप अत्यंत धैर्यवान एवं मनोयोग पूर्वक किसी बात को श्रवण करने वाले हो। आप अपने अधिकारी को अच्छी प्रकार अनुकूल अनुभव करते हो। वे आप पर पूर्ण विश्वास पूर्वक कार्य भार सौंप देंगे तथा आप योजनानुरूप आदेश का पालन करेंगे। आपका अधिकारी भी आपकी ही तरह का धैर्यवान है जो आपको बहुत बड़ा लाभांश आपके कार्य अनुरूप प्रदान करेगा तथा आपके उदेश्य के अनुसार अपने लक्ष्य तक पहुंचने में पूर्ण सहयोग हेतु अनुकूल प्रमाणित होंगे।

एक बार आप अपने कार्यवश कहीं जाएंगे तो पूर्ण सकारात्मक रूप से कार्य सम्पादन करेंगे तथा किसी भी प्रकार की परेशानी उपस्थित होने पर भी आप संभवतः अल्पकाल में संभावित कार्य को पूर्ण कर लेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में मन्दगति से नहीं चलेंगे। आपको एक स्थान से अन्य भीड़-भाड़ पूर्ण स्थान पर जाने आने में आपका शरीर व्यस्त रहता है। आप एक ही समय कई कार्यकलाप का संचालन करते हैं। इस प्रकार आपकी मनोवृत्ति के अनुकूल एवं उपयुक्त सरकारी सेवा कार्य के अंतर्गत प्रशासनिक स्तर के एवं बड़ी कम्पनी या निगम के उच्च पदाधिकारी, शैक्षणिक कार्य, चित्रकारिता, रेडियों, गायन एवं खेलकूद संबंधी कार्य व्यवसाय प्रतीत होता है।

आप अपनी समझदार पत्नी एवं चुस्त दुरूस्त प्यारी संतान से युक्त आपका परिवारिक जीवन उत्तम एवं भली प्रकार व्यतीत होगा तथा पत्नी एवं संतान आपको बहुत ही स्नेह प्रदान करेंगे। परन्तु आप अपनी जीवन संगिनी की मनोवृत्ति को अनुरूप नहीं सह सकेंगे। क्योंकि आपकी ये आकर्षक आंखें किसी अन्य स्त्री को पसन्द कर उसके साथ प्रेम प्रसंग प्रारंभ करा सकता है। आपको इन शंकाओं के संबंध में स्पष्टीकरण करके अपनी पत्नी को आश्वस्त करना चाहिए ताकि आपका पारिवारिक वातावरण आनन्द प्रदायक हो।

आपके लिए उत्तम धनोपार्जन का समय मुख्यतः 28 वर्ष की आयु से सतत चार वर्षों तक उत्तम रहेगा। जो आपके जीवन का सुन्दर समय प्रमाणित होगा। लेकिन आपकी समस्या यह है कि आप अतिरिक्त व्यय के प्रति समर्पित रहते हैं तथा समाज में प्रतापी एवं प्रभावशाली आयोजनों में सम्मिलित हुआ करेंगे। आपको बहुत पहले से ही उत्तम उन्नति हेतु धन संचय करना चाहिए। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो आपको अपने वृद्धावस्था के लिए धन का अभाव प्रतीत होगा।

आप बहुत अधिक यात्रा करेंगे तथा यात्रा क्रम में आप मित्र मण्डली का विस्तार करेंगे। परिणाम स्वरूप आपको लाभ एवं व्यय समान रूप से प्राप्त होंगे। आपकी सुविधा एवं लाभ हेतु परस्पर आदान-प्रदान करेंगे।

आप दानशील प्रवृति के पुरूष हैं, इस प्रकार की दानशीलता एवं उदारता पूर्ण सहयोग में कोई हिचकिचाहट नहीं रखते तथा कमजोर वर्ग के लोगों की उन्नति हेतु सहायक होंगे। जिसकी वजह से आपको सामाजिक स्तर में प्रसिद्धि प्राप्त होने के अवसर प्राप्त होंगे।

आपके लिए महत्वपूर्ण चेतावनी यह है कि आप अपने दैनिकचर्या की समय सारणी को उपयुक्त नहीं कर सके तो आयु वृद्धि के कारण आप वृद्धावस्था में प्रभावित हो सकते हैं। आप कार्यानुरूप अपने समय का बंटवारा कर लें अर्थात् कार्यानुरूप समय निर्धारित कर लें। ताकि आपको और आपके पारिवारिक सदस्यों को विश्राम प्राप्त हो सके। वर्त्तमान काल आप पूर्ण सामर्थ्य एवं अति सतर्क है। सम्प्रति आप की नसें तेज हैं। अस्तु अनिवार्य रूप विश्राम करने की आदतों में वृद्धि करें। आपको हृदय के रोग, रीढ़ की अथवा ज्वाइंट की हड्डियों के रोग एवं रक्तचाप आदि रोग से सुरक्षित रहने के लिए विश्राम करने की आदते डालना अनिवार्य है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक संभावित एवं अनुकूल प्रतीत होता है। अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।